Toppersnotes
Unleash the topper in you

MP - SET

राजनीति विज्ञान

Madhya Pradesh State Eligibility Test

पेपर 2 || भाग – 4

SIERRA INNOVATIONS

विषय सूची

क्र.सं.	अध्याय	पृष्ठ सं.
इकाई - VIII - भारत में राजनीतिक प्रक्रियाएँ		
1.	राष्ट्र-राज्य (Nation-state) का अर्थ	1
2.	राष्ट्रीय और क्षेत्रीय राजनीतिक दल (National and Regional Political parties)	2
3.	भारत में चुनाव व्यवहार की प्रवृतियाँ व चुनाव सुधार	14
4.	भारत में दबाव समूह (Pressure Groups in India)	19
5.	भारतीय राजनीति व जाति (Indian politics and caste)	21
6.	भारतीय राजनीति में वर्ग, लिंग व नृजातीयता	23
7.	भारतीय राजनीति में धर्म (Religion in Indian politics)	26
8.	भारतीय नागरिक समाज (Indian civil society)	28
9.	भारत में सामाजिक व राजनीतिक आन्दोलन (Social and Political movements in India)	29
10.	रजनी कोठारी	34
11.	सी. पी. भांभरी	37
12.	अमर्त्य सेन	38
13.	W. H. मोरिस जॉन्स	41
14.	रुडोल्फ व रुडोल्फ	43
15.	ग्रेनविल ऑस्टिन	45
16.	भारत में नवीन सामाजिक आंदोलन	46
17.	राज्य, अर्थव्यवस्था तथा विकास	50
18.	भारत में आर्थिक नियोजन का इतिहास	50
इकाई - IX - लोक प्रशासन		
1.	लोक प्रशासन का अर्थ व विकास	54
2.	नव लोक प्रशासन (New Public Administration-NPA)	60
3.	लोक व निजी प्रशासन (Public and Private Administration)	63
4.	विकास प्रशासन (Development Administration)	64
5.	तुलनात्मक लोक प्रशासन (Comparative Public Administration-CPA)	65
6.	चेस्टर बर्नार्ड का सामाजिक व्यवस्था सिद्धान्त	67
7.	वैज्ञानिक प्रबंध उपागम (Scientific Management Approach)	68
8.	संगठन का शास्त्रीय उपागम (Classical Theory)	71
9.	मानव सम्बन्ध सिद्धान्त (Human Relation Theory)	72
10.	नेतृत्व के सिद्धान्त (Theories of Leadership)	75
11.	अभिप्रेरणा के सिद्धान्त (Theories of Motivation)	77
12.	नौकरशाही उपागम (Bureaucratic Approach)	81

13.	निर्णय निर्माण उपागम	83
14.	व्यवस्था सिद्धांत	85
15.	साला मॉडल (SALA Model)	87
16.	शक्ति, सत्ता व उत्तरदायित्व पर फॉलेट के विचार	88
17.	उद्देश्यों द्वारा प्रबंध - पीटर ड्रकर (Management by Objectives)	89
इकाई - X - भारत में शासन विधि तथा लोक नीति		
1.	शासन, सुशासन तथा लोकतंत्रीय शासन	90
2.	लोकनीति (Public Policy)	93
3.	नौकरशाही उपागम (Bureaucratic Approach)	95
4.	उत्तरदायित्व तथा नियंत्रण (Accountability And Control)	97
5.	भ्रष्टाचार	101
6.	सूचना का अधिकार (RTI)	102
7.	ई-गवर्नेंस	108
8.	सामाजिक-आर्थिक विकास के उपकरण के रूप में लोकनीति	110

VIII

UNIT

भारत में राजनीतिक प्रक्रियाएँ

राष्ट्र-राज्य (Nation-state) का अर्थ -:

- **राज्य (state) -:** राज्य एक राजनीतिक संघ व एक भौगोलिक इकाई है। इसकी विशेषताए है- निश्चित भू-भाग, जनसंख्या, सरकार, सम्प्रभुता।
- **राष्ट्र (Nation) -:** राष्ट्र लोगों का ऐसा समूह है जिन्होंने संस्कृति, धर्म, भाषा, साझा इतिहास या क्षेत्र की सामान्य पहचान के आधार पर एकजुटता विकसित की है।
- **राष्ट्र-राज्य (Nation-state) -:** एक ऐसी राजनीतिक इकाई है जिसमें भौगोलिक एवं सांस्कृतिक एकता पाई जाती है। Ex- ब्रिटेन, फ्रांस, स्पेन, नीदरलैण्ड।
- **Note-:** भारत भी एक राष्ट्र-राज्य के रूप में धीरे-धीरे विकसित हुआ है। -(एकता, बहुसंस्कृतिवाद, वसुधैव कुटुम्बकम)।
- **जुआन लिंज, योगेन्द्र यादव, अल्फ्रेड स्टीफन** ने भारत को 'राष्ट्र-राज्य' की बजाय 'राज्य-राष्ट्र' कहा है।

पार्थ चटर्जी व भारतीय राष्ट्र-राज्य -: (बंगाल)

- **चटर्जी - Book -**
  - ✓ "नेशनलिस्ट थॉट ऐंड कोलोनियल वर्ल्ड: अ डेरिवेटिव डिस्कोर्स" (1986)
  - ✓ "द नेशन ऐंड इट्स फ्रैग्मेंट्स: कॉलोनियल ऐंड पोस्ट-कॉलोनियल हिस्ट्रीज" (1993)
  - ✓ "अ पॉसिबल इण्डिया" (1997)
- **भारतीय राष्ट्र-राज्य का निर्माण: 3 चरणों में**
  1. ब्रिटिश राज से पूर्व
  2. ब्रिटिश राज
  3. आजादी के बाद
- **भारतीय राष्ट्रवाद -:**
  - ✓ राष्ट्र-राज्य के रूप में विकास भारतीय राष्ट्र और राष्ट्रवाद उपनिवेशवाद विरोधी राजनीति की देन है।
  - ✓ इसमें - भौगोलिक, भाषाई, सेकुलर, धार्मिक क्षेत्रीय आयाम हैं।
- **राष्ट्र-राज्य निर्माण में सहायक गतिविधियाँ -:**

  (A) धर्मनिरपेक्ष समाज

  (B) सामाजिक बदलाव

  (C) राजनैतिक ढाँचा

  (D) आर्थिक विकास के लिए समाजवादी-जनवादी प्रतिमान

  (E) लोकतांत्रिक चेतना

  (F) कुशल राजनीतिक नेतृत्व

  (G) राष्ट्रीय पार्टी - कांग्रेस

  (H) विभिन्नता में एकता

- **राष्ट्र-राज्य निर्माण में चुनौतिया-:**
  (A) रियासतों का एकीकरण
  (B) भारत-पाक विभाजन
  (C) भाषा का मुद्दा व राज्यों का भाषायी पुनर्गठन
  (D) नृजातीयता व पृथकतावाद - कश्मीर, खालिस्तान, द्रविड़िस्तान
  (E) क्षेत्रवाद, सामाजिक, आर्थिक, लैंगिक असमानता, साम्प्रदायिकता
  - ✓ **रंजीत गुहा - (बंगाल):** "जनता की राजनीति एक स्वायत्त अधिकार-क्षेत्र है।"
  - ✓ **सुदीप्त कविराज -: (बंगाल):** सबाल्टर्न स्टडीज की ओर रुझान।
  - ✓ **BOOK:**
    - 'The Most Dangerous Decades' (1960) -: सेलिंगड हैरिसन
    - 'India's Disintegrating Democracy' (1967) -: नेविल मैक्सवेल

राष्ट्रीय और क्षेत्रीय राजनीतिक दल (National and Regional Political parties)

- **राजनीतिक दल**
  - ✓ **मान्यता प्राप्त राजनीतिक दल (2)**
    - राष्ट्रीय दल (6) (वर्तमान, मई 2023)
  - ✓ **गैर मान्यता प्राप्त राजनीतिक दल**
    - राज्य स्तरीय दल (59)
  - ✓ **राजनीतिक दलों का पंजीकरण:** निर्वाचन आयोग द्वारा (जन प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा "29 A" के तहत)।
  - ✓ **पंजीकरण की ऑनलाईन प्रणाली (PPRTMS):** 1 जनवरी 2020 से चुनाव आयोग द्वारा शुरू। (Political Parties Registration Tracking Management System)
- **राष्ट्रीय दल की मान्यता की शर्त - 3 शर्त (3 में से कोई 1 शर्त पुरी होनी चाहिए)**
  1. लोकसभा या राज्य विधानसभा चुनावों में 4 राज्यों में 6% वोट तथा 4 लोक सभा सीटें।
  2. लोकसभा चुनावों में 2% (11 सीटें) 3 राज्यों में।
  3. 4 राज्यों में राज्य स्तरीय दल की मान्यता।
  - ✓ **Note-:** राज्य में राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली, संघ राज्य क्षेत्र पुडुचेरी व जम्मू-कश्मीर शामिल है।

राष्ट्रीय दल (National Parties)-:

राष्ट्रीय दल	स्थापना	अध्यक्ष	राष्ट्रीय चुनाव चिह्न
1. भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस (INC)	1885	मलिकार्जुन खडगे	हाथ
2. भारतीय जनता पार्टी (BJP)	1980	J. P. नड्डा	कमल
3. कम्यूनिस्ट पार्टी ऑफ इण्डिया (CPI-M)	1964	सीताराम येचुरी (महासचिव)	हथौड़ा, हसियां और सितारा
4. बहुजन समाज पार्टी (BSP)	1984	मायावती	हाथी
5. नेशनल पीपुल्स पार्टी (NPP)	2013	कोनार्ड संगमा	किताब
6. आम आदमी पार्टी (AAP)	2012	अरविंद केजरीवाल	झाड़ू

- **वर्तमान में राष्ट्रीय दल -:** 6
- **पहले आम चुनाव (1952) के समय राष्ट्रीय दल -:** 14
  - ✓ कुल सीट - 489
  - ✓ राष्ट्रीय दल - 14, राज्यीय दल - 39
  - ✓ कांग्रेस (INC) - 364 सीट
  - ✓ भारतीय साम्यवादी दल (CPI) (2nd) - 16 सीट
  - ✓ सबसे अधिक प्रत्याशी उम्मीदवार- कांग्रेस, 2nd - सोशलिस्ट पार्टी

राज्य स्तरीय दल अथवा क्षेत्रीय दल (Regional Parties)

- **राज्य स्तरीय दल की मान्यता की शर्त-:** (किसी 1 शर्त की पूर्ति)

1. राज्य विधानसभा की कुल सीटों में 3% सीट या कम से कम 3 सीटें जो भी ज्यादा हो।
2. लोक सभा चुनावों में उस राज्य के वोटों के कम से कम 6% वोट तथा 1 लोकसभा सीट प्राप्त की हो।
3. विधान सभा चुनावों में राज्य के कम से कम 6% वोट तथा 2 विधानसभा सीटें प्राप्त की हो।
4. लोकसभा या विधान सभा चुनावों में कुल वैद्य मतों के 8% मत प्राप्त किए हो।
5. लोकसभा चुनावों में राज्य के लिए निर्धारित प्रत्येक 25 लोकसभा सीटों में से 1 सीट पर जीत दर्ज की हो।

- **वर्तमान (May 2023) - भारतीय निर्वाचन आयोग (ECI) -**
  - ✓ **3 राष्ट्रीय पार्टी से दर्जा वापिस लिया:**
    1. राष्ट्रवादी कांग्रेस (NCP)
    2. तृणमूल कांग्रेस (TMC)
    3. भारतीय कम्यूनिस्ट पार्टी (CPI)
  - ✓ **2 राज्य पार्टी से दर्जा वापिस लिया:**
    1. भारत राष्ट्र समिति (BRS) - आंध्रप्रदेश
    2. राष्ट्रीय लोकदल (RLD) - उत्तरप्रदेश
- **वर्तमान (May 2023) - राज्य स्तर पार्टी का दर्जा दिया है:**
  1. लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास पासवान) - नागालैंड
  2. टिपरा मोथा - त्रिपुरा
- **केवल राष्ट्रीय दल वाले राज्य-:** 4 (गुजरात, मध्यप्रदेश, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखण्ड)
- **चुनाव चिह्न-:**
  - ✓ **शिवसेना (महाराष्ट्र), झारखण्ड मुक्ति मोर्चा (झारखण्ड) -** तीर-कमान
  - ✓ **तेलुगुदेशम पार्टी (तेलंगाना, आंध्रप्रदेश), समाजवादी पार्टी (उत्तर प्रदेश), नेशनल पैंथर्स पार्टी (J&K) -** साइकिल

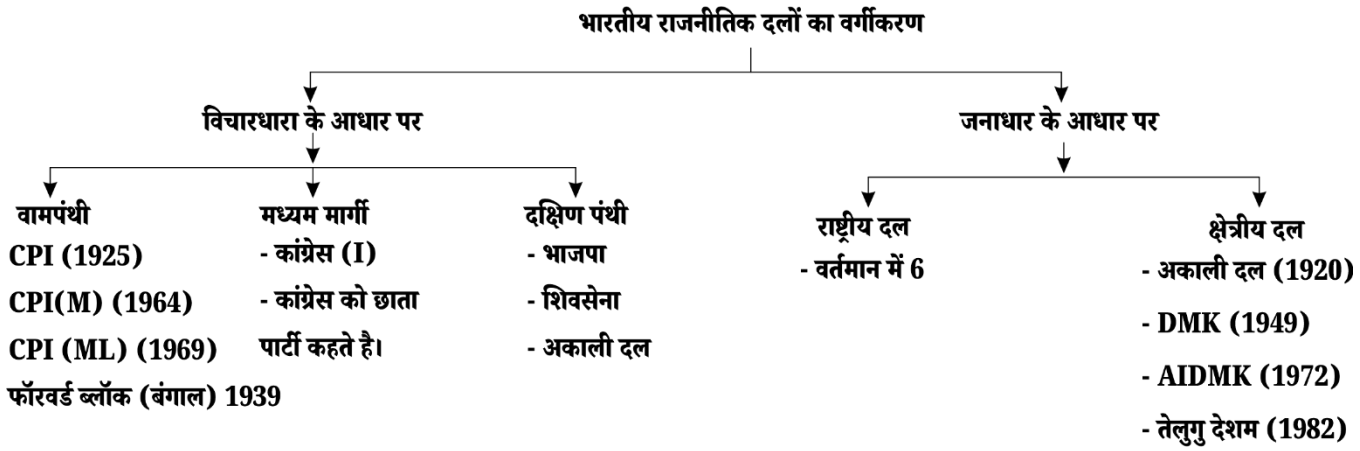

राष्ट्रीय दल (National parties)

1. **भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस (Indian National Congress (INC))**
   - ✓ **स्थापना -:** 1885, A. O. ह्यूम द्वारा
   - ✓ **प्रथम अध्यक्ष -:** W. C. बनर्जी
   - ✓ **कांग्रेस - (As A safety valve) :** लाला लाजपत राय
   - ✓ शुरू से - कांग्रेस संभ्रांत वर्ग की पार्टी थी।
   - ✓ **1915-** गाँधीजी का भारत आगमन, कांग्रेस को संविधान दिया। (अभिजात्य वर्ग से जन पार्टी जन आन्दोलन में)
   - ✓ **1907 सूरत अधिवेशन:** प्रथम विभाजन- नरम दल, गरम दल।
   - ✓ **1969 (स्वतंत्रता के बाद):** कांग्रेस का विभाजन
     - (i) **कांग्रेस (R) -:** इंदिरा गाँधी वाली
     - (ii) **कांग्रेस (O)-:** सिंडिकेट नेताओ की (के. कामराज (तमिलनाडु), S. निजलिंगप्पा (कर्नाटक), नीलम संजीव रेड्डी (आंध्रा), मोरारजी देसाई (गुजरात))
   - ✓ **चुनाव चिह्न -:**
     - (1952-71) - दो बैलों की जोड़ी
     - (1971-79) - गाय व बछड़ा
     - (1979-अब तक) - हाथ का पंजा

➢ **कांग्रेस का प्रभुत्व**
- ✓ **कांग्रेस प्रणाली -:** 1947-67 (केन्द्र व राज्यों सरकारों में) - **रजनी कोठारी**
- ✓ **'एकदल प्रधान' या 'एक दल प्रभुत्व' -:** मॉरिस जॉन्स
- ✓ **'प्रभावी दलीय व्यवस्था' -:** सारटोरी
- ✓ **'कांग्रेस एक छाता संगठन है' -:** नॉगर्न डी पाल्मर
- ✓ **'कांग्रेस एक धर्मशाला है' -:** B.R. अम्बेडकर
- ✓ **1967- 4th आम चुनाव:** इंदिरा गांधी नेतृत्व में अधिकांश राज्यों में हार - "राजनीतिक भूकम्प" तथा "वोटों के माध्यम से क्रान्ति"।
- ✓ **80 के दशक में -:** कोठारी ने पाया कि "तकनीकशाही-प्रबंधकीय राज्य" उभर आया है।

➢ **गैर-कांग्रेसवाद**
- ✓ **पहला दौर-** 1962 आम चुनाव से शुरू होकर 1968 लोहिया के देहांत तक।
- ✓ **रजनी कोठारी -** इस दौर (1960-70) को कांग्रेस प्रणाली की कमजोर होने की अवधि कहा।
- ✓ **दूसरा दौर -:** उत्तर भारत में चरण सिंह का नेतृत्व उभरा।
- ✓ **तीसरा दौर -:** (1974-80) तक चला (J. P. नारायण)।
- ✓ **चौथा दौर -:** 1989 के चुनाव में कांग्रेस के पराभव से शुरू - 90 के दशक के मध्य तक जारी।

➢ **पॉल ब्रास -:** गैर-कांग्रेसवाद के 4 कारण -

(i) वोटरों के बीच कांग्रेस की साख गिरना।
(ii) पार्टियों द्वारा न्यूनतम साझा कार्यक्रम बनाने की क्षमता का प्रदर्शन।
(iii) पार्टियों का विचारधारात्मक परिणामवादी और समायोजनकारी रवैया।
(iv) क्षेत्रीय परिस्थितियों की पहचान कर - उनके मुताबिक राजनीति करना।

2. **भारतीय जनता पार्टी (BJP)**
   - ✓ **स्थापना -:** 1980 (अटल बिहारी वाजपेयी व L.K. आडवाणी)
   - ✓ **BJP-** 1951 (जनसंघ) का ही नया रूप है।
     - **जनसंघ -** 1951 (श्यामा प्रसाद मुखर्जी व दीनदयाल उपाध्याय)
     - **दीनदयाल उपाध्याय -:** "समग्र मानवतावाद का सिद्धान्त", एक देश, एक राष्ट्र, एक संस्कृति।
   - ✓ **1977 -** (जनता पार्टी में विलय)
   - ✓ **1980 -:** जनता पार्टी से विवाद (दोहरी सदस्यता कारण) BJP बनी।
   - ✓ **1984- आम चुनाव में BJP केवल 2 सीट जीती:**
     - ए. के. पटेल - मेहसाणा (गुजरात)
     - चंदूपाटिया जंगा रेड्डी - हनामकोंडा (आन्ध्रप्रदेश)
   - ✓ **B.J.P. - राष्ट्रीय पार्टी किन कारणो से बनी -**
     - बाबरी मस्जिद घटना (6 दिसम्बर 1992)
     - शाहबानो प्रकरण (1985)
   - ✓ **गठबंधन राजनीति -:** BJP के नेतृत्व में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (N.D.A.)
   - ✓ **भाजपा के प्रथम अध्यक्ष:** अटल बिहारी वाजपेयी
   - ✓ **भाजपा के वर्तमान अध्यक्ष:** जगत प्रकाश नड्डा
   - ✓ **R.S.S.-:** स्थापना - 1925 (नागपुर), संस्थापक - केशव बलीराम हेडगेवार।
3. **भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी - (CPI)**
   - ✓ **स्थापना:** 1925
   - ✓ CPI भारतीय संविधान को "दासता का घोषणा पत्र" कहती है।
   - ✓ **1957-:** केरल में (विश्व में लोकतांत्रिक तरीके से प्रथम साम्यवादी सरकार बनी)। मुख्यमंत्री -: नम्बुदरीपाद (CPI)।
   - ✓ **कलकत्ता थीसिस (1948)-:** CPI लोकतंत्र की बजाय जनवादी लोकतंत्र।
   - ✓ **1962- भारत व चीन युद्ध -:** CPI विभाजित (चीन व रूस मुद्दे पर)।
   - ✓ **1964-** भारतीय कम्यूनिस्ट पार्टी मार्क्सवादी [CPI-M] बनी।
   - ✓ **C.P.I. (M.L.) - 1969** (कानू सान्याल, चारु मजूमदार) - मार्क्सवादी-लेनिनवादी।
   - ✓ **2004 -** CPI(ML) + माओवादी कम्यूनिस्ट सेन्टर (1975) = CPI (माओवादी)
4. **बहुजन समाज पार्टी (BSP)**
   - ✓ **स्थापना-:** 1984, काशीराम द्वारा।
   - ✓ **काशीराम ने पहले ये दबाव समूह बनाए:**
     - **SAMCA (1971):** (S.C., ST, OBC minority Community Employee Association)
     - **BAMCEF (1978):** (Backward and minority Community Employees Federation)
     - **DS-4 (1981):** (दलित शोषित समाज संघर्ष समिति)
   - ✓ **प्रतीक चिह्न -** हाथी (असम को छोड़कर)।
5. **आम आदमी पार्टी (AAP)**
   - ✓ **स्थापना -** 2012 (अरविंद केजरीवाल)।
   - ✓ **वर्तमान में सरकार -:** NCR दिल्ली व पंजाब।
   - ✓ **अप्रैल 2023 -** राष्ट्रीय दल का दर्जा।
6. **N.C.P. (नेशनल कांग्रेस पार्टी)**
   - ✓ **स्थापना -** 1999 (कांग्रेस से अलग), शरद पंवार द्वारा।
   - ✓ **अप्रैल 2023 -** राष्ट्रीय दल का दर्जा समाप्त।

7. **अखिल भारतीय तृणमूल कांग्रेस -(TMC)**
   - ✓ **स्थापना -** 1998 ममता बनर्जी (पं. बंगाल)।
   - ✓ **अप्रैल 2023 -** राष्ट्रीय दल का दर्जा समाप्त।

मुख्य क्षेत्रीय राजनीतिक दल

1. **द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (DMK) -:** तमिलनाडु + पाण्डिचेरी
   - ✓ **स्थापना -:** 1949 (जस्टिस पार्टी से अलग) - अन्नादुरई।
2. **ऑल इण्डिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (AIADMK):** तमिलनाडु + पांडिचेरी
   - ✓ **स्थापना -** 1972 - M.G. रामचन्द्रन।
3. **समाजवादी पार्टी -:** चिह्न - साईकिल
   - ✓ **स्थापना -:** 1992 (U.P.) - मुलायम सिंह।
4. **तेलगुदेशम (TDP) -:** चिह्न - साइकिल
   - ✓ **स्थापना-:** 1982 (आन्ध्रप्रदेश) - N.T. रामराव।
5. **नेशनल कांफ्रेंस -:** चिह्न - हल
   - ✓ **स्थापना-:** 1932 (शेख अब्दुल्ला)।
6. **शिरोमणी अकाली दल:** चिह्न - तराजू (तकड़ी)
   - ✓ **स्थापना -:** 1920 (पंजाब) मास्टर तारा सिंह।
7. **पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (PDP) -:** चिह्न - कलम-दवात
   - ✓ **स्थापना:** मुफ्ती मोहम्मद सईद।
8. **बीजू जनता दल (BJD):** चिह्न - शंख
   - ✓ **स्थापना -:** 1997 उड़ीसा, अब- नवीन पटनायक।
9. **जनता दल यूनाइटेड (JDU)-:** चिह्न- तीर
   - ✓ **स्थापना -** 2003 (जनता दल से अलग) - नीतीश कुमार (बिहार)।
10. **जनता दल सेक्यूलर -:** चिह्न - महिला किसान
    - ✓ **स्थापना -** 1999 (जनता दल से अलग) - H.D. देवगोड़ा।
11. **राष्ट्रीय जनता दल (RJD) -:** चिह्न : लालटेन
    - ✓ **स्थापना -** 1997 (जनता दल से अलग)-: लालू प्रसाद यादव।
12. **राष्ट्रीय लोक दल (RLD) -:** चिह्न - हैंडपंप
    - ✓ **स्थापना -** (U.P.) - चरण सिंह - अजीत सिंह- जयन्त चौधरी।
13. **इण्डियन नेशनल लोकदल (INLD) -:** चिह्न - चश्मा
    - ✓ **स्थापना-:** चौधरी देवी लाल।
14. **शिव सेना -:** चिह्न - तीर-कमान
    - ✓ **स्थापना -:** 1966 (बाल ठाकरे)।
15. **लोक जनशक्ति पार्टी (लोजपा):** चिह्न - बंगला
    - ✓ **स्थापना -** राम विलास पासवान।
16. **तेलंगाना राष्ट्र समिति (TRS) -:** चिह्न - कार
    - ✓ **स्थापना -** 2001 के. चन्द्रशेखर राव।
17. **YSR कांग्रेस -:** चिह्न - सीलिंग फैन
    - ✓ **स्थापना -** 2011 जगमोहन रेड्डी (आन्ध्रप्रदेश-CM)।
18. **महाराष्ट्रवादी गोमांतक पार्टी:** चिह्न - शेर
    - ✓ **स्थापना -:** 1963 गोवा।

19. **असम गण परिषद:** चिह्न - हाथी
    - ✓ **स्थापना -:** 1985 असम।
20. **नेशनल कांग्रेस पार्टी (NCP)-:** चिह्न - अलार्म घड़ी
    - ✓ **स्थापना-:** शरद पंवार।

➢ **अन्य महत्वपूर्ण पार्टियां -:**

1. **मुस्लिम लीग -;** 1906, ढाका में (आगा खां व सलीमुल्ला)।
2. **हिन्दु महासभा -:** 1915-16 (मदनमोहन मालवीय व लाजपत राय)।
3. **जस्टिस पार्टी -:** 1917, मद्रास में (T. M. नैयर व P.T. चेट्टी)।
4. **स्वतंत्र पार्टी -:** 1959, सी. राजगोपालाचारी।
5. **यूनियनिस्ट पार्टी:** 1937, पंजाब में सरकार थी।
6. **समाजवादी पार्टियाँ -:** 1934, (कांग्रेस के भीतर से) आचार्य नरेन्द्रदेव।
7. **किसान मजदूर प्रजा पार्टी (KMPP)-** जून 1951 (J.B. कृपलानी के नेतृत्व में)।
8. **जनता दल -** 1988, V. P. सिंह द्वारा।

➢ **अन्य महत्वपूर्ण पार्टिया -:**

1. **मुस्लिम लीग -;** 1906, ढाका में (आगा खां व सलीमुल्ला)
    - बाद में - मुहम्मद अली जिन्ना ने, वर्तमान (भारत में) - केवल केरल में
2. **हिन्दु महासभा -:** 1915-16 (मदनमोहन मालवीय व लाजपत राय)
    - बाद में- वीर सावरकार ने नेतृत्व -
3. **जस्टिस पार्टी -:** 1917, महास में (T. M. नैयर व P.T. चेट्टी)
    - बाद में - वी रामास्वामी नायकर | पैरियार ने नेतृत्व
    - यह ब्राह्मणवाद विरोधी पार्टी थी -
    - 1944 -: जस्टिस पार्टी को खत्म कर पेस्थिार ने महास हविड एसोशिएशनने
    - 1949 -: इस एसोशियसन से अलग हो अन्नादुरई ने DMK बनायी
4. **स्वतंत्र पार्टी. -:** 1959, सी. राजगीपालचारी
    - अन्य नेता - K.M. मुंशी, मीनू मसानी, N. G. रंगा, महारानी गायत्री देवी-
    - 1967 के आम चुनावों में 45 सीट (2nd - मुख्य विपक्षी पार्टी थी)
5. **यूनियनस्टि पार्टी:** 1937, पंजाब में सरकार थी.
6. **समाजवादी पार्टियाँ -:** 1934, (कांग्रेस के भीतर से) आचार्य नरेन्द्रदेव-
    - मुख्य नेता - अच्युत पटवर्धन, J. P. नारायण, अशोक मेहता, लोहिया-
    - 1948-: कांग्रेस सोशलिस्ट पार्टी, कांग्रेस से अलग हो गई.
    - 1948-: भारतीय सोशलिस्ट पार्टी का गठन
    - 1952-: भारतीय सोशलिस्ट पार्टी + किसान मजदूर प्रजा पार्टी (J.P. नारायन) -> प्रजा सोशलिस्ट पार्टी
    - 1955-: लोहिया ने अलग हो स्वयं की सोशलिस्ट पार्टी का गठन
    - 1964-: प्रजा सोशलिस्ट पार्टी से अलग हो 'संयुक्त सोशलिस्ट पार्टी बनाई, जार्ज कर्ना डिश ने, 1972- पुनः विलय (प्रजा सोरागिर)
    - ✓ **किसान मजदूर प्रजा पार्टी (KMPP)-** जून 1951 (J.B. कृपलानी के नेतृत्व)
7. **जनता दल -** 1988, V. P. सिंह द्वारा
    - 1999- समाप्त भी हो गयी
    - (यह जनता पार्टी, लोक दल आदि पार्टियों के विलय से बना थे।)

- चुनाव चिह्न - चक्र
- जनता दल - जनता दल की संगठनात्मक शैली को - परिसंघीय माना जाता है, इसी कारण इसका विखण्डन होता रहता है, इसका जनाधार - OBC
  - ☞ **उड़ीसा -:** बीजू जनता दल
  - ☞ **कर्नाटक -** जनता दल (S)
  - ☞ **बिहार -** राष्ट्रीय जनता दल (राजद), जनता दल-J.D.
  - ☞ **हरियाणा :** इनेलो

➢ **भारत में दलीय व्यवस्था का स्वरूप -:**

- ✓ दलीय व्यवस्था वर्गीकृत वलि विद्वान : एलेन बॉल, जीन ब्लॉण्डेल, लॉ पॉलम्बरा, माइनर वीनर, डुवर्जर तथा सारस्टोरी
- ✓ भारतीय दल व्यवस्था वर्गीकृत वलि विहान - पॉल ब्रॉस, कोठार श्रीधरन, सुहास पलसीकर, योगेन्द्र यादव, जीया हसन, मॉरिस जॉन
- ✓ **रिकर - :** " भारत में गठबन्धन शक्ति अधिकरण पर आधारित है,"
- ✓ **पॉल ब्रॉस-:** " भारत के राजनीतिक दलों में कोई वैचारिक अन्तः नहीं है पर वे दिखनि का प्रयास करते है"

➢ **1947 से पूर्व -:** आन्दोलनकारी दलीय प्रणाली -

- ✓ **1906-:** मुस्लिम लीग
- ✓ **1925-:** भारतीय कम्यूनिस्ट पार्टी (CPI)
- ✓ **1936-:** Independence Labour Party- (डॉ. अम्बेडकर)
- ✓ **1942-:** शेड्यूल कास्ट फेडरेशन
- ✓ स्वंतंत्रता से पूर्व - दलीय प्रणाली एक आन्दोलन के रुप में थी.

➢ **दलीय व्यवस्था (Party system)**

1. **कांग्रेस वर्चस्व -:** 1952-1967 (One Party Dominance)
2. **कांग्रेस प्रभुत्व को चुनौती -:** 1967-1971
3. **कांग्रेस का पुनः प्रभुत्व -** 1971-1976 व 1980-89
4. **द्विदलीय व्यवस्था की ओर अग्रसर -:** 1977-80
5. **गठबन्धनात्मक दलीय प्रणाली -:** 1989-98
6. **द्विदल प्रधान बहुदलीय गठबन्धनों का दौर-:** 1999-2014
7. **स्पष्ट बहुमत की सरकार -:** 2014-वर्तमान

- ✓ **इस काल को बलवीर अरोड़ा ने "संघात्मक दलीय प्रणाली" कहा**

➢ **प्रथम दौर - कांग्रेस का प्रभुत्व:**

- ✓ **1952, 1957, 1962 -** प. नेहरू के नेतृत्व में संघ व राज्यों पर कांग्रेस का प्रभुत्व।
- ✓ **शुरुआत में कांग्रेस -** "इन्द्रधनुषीय पार्टी "थी
- ✓ **यह मध्यम मार्ग' पर चलने वाली 'अरस्तु' पार्टी थी-**
- ✓ **प्रथम गैर-कांग्रेसी सरकार:** केरल (C.P.I.)
- ✓ **C.P.I. को 125 में से 60 मिली, 5 निर्दलियों का सहयोग**
- ✓ **मुख्यमंत्री -:** E.M.S. नम्बूदरीपाद
- ✓ **Note-: अनु. 356 का प्रथम राजनीतिक दुरुपयोग इसी सरकार को 2 साल बाद की बर्खास्तगी से जुड़ा है)**
- ✓ **हालांकि 356 का सर्वप्रथम प्रयोग :** पंजाब में हो चुका था.

➢ **1952 के प्रथम आम चुनाव में- अम्बेडकर की हार**

- ✓ **सीट - बम्बई नोर्थ सेन्ट्रल क्षेत्र**

- ✓ **1936- अम्बेडकर ने Independent Labour party (1936) बसायी-**
- ✓ **1942- Schedule Cast Federation (1942) में बदल दिया**
- ✓ **Republican Party of India - बनाने से पहले मृत्यु**

➢ **सिंडिकेट**

- ✓ के. कामराज (तमिलनाडु), S. निजलिंगप्पा (कर्नाटक), नीलम संजीव रेड्डी (आंध्रा), अतुल्य घोष (बंगाल), एस. के. पाटिल।
- ✓ **युवा तुर्क:** चन्द्रशेखर, कृष्णकांत व रामधन।

➢ **कांग्रेस प्रणाली को चुनौती (1967 का चुनाव)**

- ✓ 1967 के लोक सभा चुनावों में टिकट बटवारा: सिंडिकेट नेता।
- ✓ परिणाम आया तो कांग्रेस की कई जगह हार- "राजनीतिक भूकम्प"।
- ✓ 9 राज्यों में कांग्रेस विरोधी सरकार बनी।
- ✓ **संदर्भ में कहावत -** "आया राम, गयाराम।"
- ✓ **सिंडिकेट नेता-:** कांग्रेस (O) - ऑर्गेनाइजेशन बनाया।
- ✓ **इन्दिरा गाँधी -:** कांग्रेस (R) - रिक्विजिनिस्ट।
- ✓ 1967-1989 -: "राज्यों की पार्टी प्रणाली का द्विध्रुवीकरण

➢ **राज्यों में गैर कांग्रेस वाद (1967)**

- ✓ **राज्य - (गठबन्धन सरकार) -:** उत्तरप्रदेश, मध्यप्रदेश, बिहार, प. बंगाल, पंजाब, हरियाणा, ओडिशा, केरल (8 राज्य)
- ✓ **मद्रास -** भारत की पहली गैर-कांग्रेसी पूर्ण बहुमत सरकार
  - **D.M.K.-** CM C. N. अन्नादुरै (मुख्यमंत्री)
- ✓ **बिहार -** प्रथम गठबन्धन सरकार - संयुक्त मोर्चा (महामाया प्रसाद सिन्हा)
- ✓ **उत्तरप्रदेश-** " - संयुक्त विधायक दल (चौधरी चरण सिंह)
- ✓ **प. बंगाल -** " संयुक्त मोर्चा (अजय मुखर्जी)
- ✓ **केरल -** " सप्तदलीय भुनानी (EMS नम्बूदरीपाद)
- ✓ **पंजाब -** " पीपुल्स यूनाइटेड फ्रन्ट (गुरनाम सिंह)
- ✓ **हरियाणा -** " संयुक्त दल (राव वीरेन्द्र सिंह)
- ✓ **1967 -** राज्यपाल डॉ. सम्पूर्णानन्द - आमंत्रण - M.L. सुखाड़िया, (बहुमत नहीं) भारी (विशेष - पुलिस गोली - 9 लोग मरे)
  - **जाँच आयोग -** न्यायाधीश भगवती प्रसाद बेरी

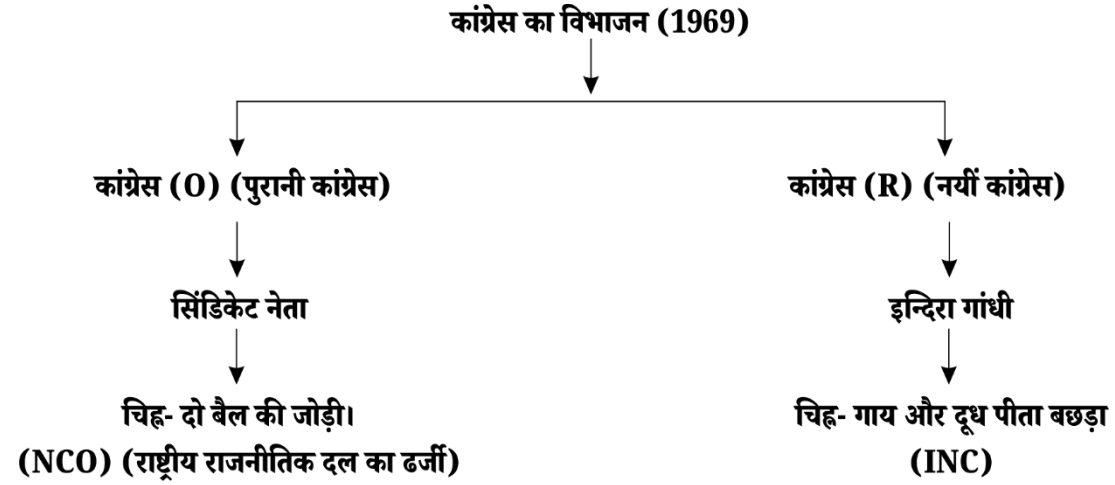

- ✓ काग्रेस विभाजन पश्चात प्रतिपक्ष नेता -:
- ✓ लोकसभा-: राम सुयग सिंह (17 DEC. 1969 से)
- ✓ राज्यसया-: श्याम नंहन मिश्र

- **1971 के चुनाव बाद : इन्दिरा गाँधी - (असली कांग्रेस)**
- **अपना नाम कांग्रेस (R) → बदलकर → कांग्रेस (I)**
- **बाद में 'आई (I) को भी हटा दिया गया –**
- **कांग्रेस की पुनस्थापना (1971-1977)**
  - ✓ 1967 - चुनाव में इन्दिरा समाजवाद (वामपंथ की ओर झुक गयी.
  - ✓ 1969- 14 बैंकों का राष्ट्रीयकरण, राजाओं के प्रिवीपर्स का अंत (26वां स.स.)।
  - ✓ **1969-:** राष्ट्रपति जाकिर हुसैन की मृत्यु के बाद V.V. गिरी को चुनाव जिताया।
- **1971 आम चुनाव**
  - ✓ **इन्दिरा ने "गरीबी हटाओ" का नारा दिया।**
  - ✓ **विरोधी दलों ने -:** "इन्दिरा हटाओ" का नारा दिया (Grand Alliance)।
  - ✓ गैर-कांग्रेसी व गैर साम्यवादी पार्टियों का गठबन्धन
  - ✓ **Grand Alliance (महाजोट)** → (S.S.P (लोहिया) + P.S.P (नरेन्द्र देव, अशोक मेहता) + जनसंघ + स्वतंत्र पार्टी (C. राजगोपालचारी) + भारतीय क्रान्तिदल (चरण सिंह) + [कांग्रेस (O)—16 सीट])
  - ✓ **Grand Alliance को चुनाव में मात्र 40 सीट मिले।**
  - ✓ **कांग्रेस अध्यक्ष (1974) देवकांत बरुआ ने कहा-:** "India is Indira and Indira is India"।
  - ✓ **1974 -** J. P. नारायण (सम्पूर्ण क्रान्ति) - बिहार।
  - ✓ **1974 -** मोरारजी देसाई (गुजरात नव-निर्माण आन्दोलन)।
  - ✓ **25 जून 1975 -:** आन्तरिक अशान्ति के आधार पर आपातकाल।
  - ✓ **42वां स.स. 1976-:** लोकसभा का कार्यकाल 5 वर्ष से 6 वर्ष।
- **द्वि-दलीय प्रणाली की ओर अग्रसरता (1977-1980)**
  - ✓ **मार्च 1977 - 6th आम चुनाव:** जनता पार्टी का गठन।
  - ✓ स्वतंत्र भारत में कांग्रेस पहली बार चुनाव हार गई।
  - ✓ इन्दिरा गाँधी (रायबरेली) - राजनारायण (भारतीय लोकदल) से 50 हजार मतों से चुनाव हारीं।
  - ✓ **उत्तर भारत -:** नाथूराम मिर्धा - नागौर (राज.), मध्यप्रदेश।
- **1977 चुनाव परिणाम**
  - ✓ **जनता पार्टी गठबंधन (भारतीय लोकदल (BLD), चुनाव चिह्न - हलधर किसान) -** 295 सीट + 3 (कांग्रेस O) = 298 सीट। सभी गठबन्धनों की 330 सीटें।
  - ✓ **भाकपा**→ 7, **माकपा**→ 22, **कांग्रेस (R)**→ 154
  - ✓ **प्रधानमंत्री -:** मोरारजी देसाई (प्रथम गैर-कांग्रेसी)।
  - ✓ **उप-प्रधानमंत्री -** चरण सिंह, जगजीवन राम।
  - ✓ **28 जुलाई 1979 :- जनता पार्टी (5) + कांग्रेस (2) + भाकपा**
  - ✓ **प्रधानमंत्री -** चौधरी चरण सिंह (14 जन 1980 तक)।
  - ✓ **उपप्रधानमंत्री -** Y.V. चव्हाण।
- **कांग्रेस की वापसी - (1980-89)**
  - ✓ **जनवरी 1980-** इन्दिरा गाँधी चुनाव जीत सत्ता में आ गईं।
  - ✓ **जनता पार्टी -** बिखर गई।
  - ✓ **1980-** भाजपा बन गई (जनसंघ समर्थकों ने)।
  - ✓ **31 Oct. 1984-** इन्दिरा की हत्या।
  - ✓ **दिसम्बर 1984 -:** कांग्रेस की भारी जीत (415 सीट)।
  - ✓ **एक मात्र आन्ध्रप्रदेश -** TDP (38 सीट) N.T. रामाराव।
  - ✓ **राजीव गाँधी -** प्रधानमंत्री बने।

- ✓ **1985-** शाहबानो प्रकरण।
- ✓ **1986-** रामलला के ताले खोलने।
- ✓ **बोफोर्स तोप घोटाला।**

➢ **गठबन्धन सरकारों का दौर - (1989-2014)**

- ✓ **1989-:** कांग्रेस को सीट - 197 (सबसे अधिक सीट वाला दल)।
  - **पर - सरकार -:** राष्ट्रीय मोर्चे की सरकार बनी (जनता दल + बाहरी समर्थन (भाजपा+वामदल))।
  - **प्रधानमंत्री -:** V.P. सिंह।
  - **1990 -** मण्डल कमीशन रिपोर्ट - OBC आरक्षण दिया। BJP ने समर्थन वापिस ले लिया, सरकार भंग।
- ✓ **नये प्रधानमंत्री बने -** चन्द्रशेखर।
- ✓ **1991 चुनाव -** द्वितीय चरण - राजीव गाँधी की हत्या।
- ✓ **1991 चुनाव परिणाम-** कांग्रेस (244) + गठबन्धन।
  - **प्रधानमंत्री -:** पी. वी. नरसिम्हा राव।
  - **वित्तमंत्री -** डॉ. मनमोहन सिंह।
- ✓ **1996 आम चुनाव -** BJP (161) + सहयोग।
  - **प्रधानमंत्री -:** अटल बिहारी वाजपेयी (मात्र 13 दिन)।
  - फिर कांग्रेस + संयुक्त मोर्चा की सरकार बनी।
  - **पहले वर्ष प्रधानमंत्री -:** H.D. देवगोड़ा।
  - **द्वितीय -** इन्द्र कुमार गुजराल।
  - **भारत में पहली बार गृहमंत्री:** इंन्द्रजीत गुप्त (कम्युनिस्ट (भाकपा) CPI)।

➢ **1998 का आम निर्वाचन**

- ✓ **चुनाव के बाद गठबन्धन**
- ✓ **प्रधानमंत्री -** अटल बिहारी वाजपेयी (13 माह सरकार)।
- ✓ AIADMK (जयललिता) द्वारा समर्थन वापिस लेने कारण विश्वास मत से 1 वोट से वाजपेयी सरकार हारी।
- ✓ [उड़ीसा - MP- वर्तमान-CM - गिरधर गोमाग ने भी मत दिया)
- ✓ **1998-** लाहौर बस यात्रा (अटलजी)।
- ✓ **1998-** परमाणु परीक्षण विस्फोट।
- ✓ **1999-** कारगिल युद्ध।

➢ **1999- आम चुनाव**

- ✓ **चुनाव पूर्व भाजपा + गठबंधन (1999 में) -** NDA (राष्ट्रीय लोकतांत्रिक गठबंधन)।
- ✓ **प्रधानमंत्री -:** अटल बिहारी वाजपेयी (पूरे 5 साल)।

➢ **2004 आम चुनाव**

- ✓ **कांग्रेस + गठबंधन (2003 में) -** UPA (संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन)।
- ✓ **प्रधानमंत्री -:** डॉ. मनमोहन सिंह।

➢ **2009 आम चुनाव**

- ✓ **कांग्रेस + गठबंधन (UPA)**
- ✓ **प्रधानमंत्री -:** डॉ. मनमोहन सिंह।

➢ **2014 का आम चुनाव - 16वीं लोकसभा**

- ✓ **NDA की वापसी**
- ✓ **B.J.P.** – 282
- ✓ **NDA** – (282+54)=336
- ✓ **कांग्रेस** – 44

- ✓ **UPA – (44+12)** 56
- ✓ **प्रधानमंत्री -:** नरेन्द्र मोदी।
- ✓ **पूर्व राष्ट्रपति (प्रणब मुखर्जी) - 2021- पुस्तक -** "The Presidential Years 2012-17"।

➢ **2019 का आम चुनाव - 17वीं लोकसभा**
- ✓ **B.J.P.-:** 303, **N.D.A.:** (303+50) =353
- ✓ **कांग्रेस -:** 52, **U.P.A.:** (52+40)=92
- ✓ **प्रधानमंत्री -** नरेन्द्र मोदी।

➢ **2024 (18वीं लोकसभा चुनाव) से पहले**
- ✓ **U.P.A. की जगह INDIA बनाया।**
- ✓ **INDIA-:** इण्डियन नेशनल डेवलपमेंट इन्क्लूसिव अलायंस। (26 विपक्षी दल शामिल)।

➢ **1989 से 2019 का दौर**
- ✓ **इस समयावधि में चुनाव-:** 1989, 1991, 1996, 1998, 2004, 2014,2019
- ✓ **गठबन्धन सरकारों का दौर-:** 1989-2009 तक के चुनाव
- ✓ **1989 के बाद के दौर-:** बहुदलीय प्रणाली बहुमत से अल्पभत या गठवन्धनात्मक दलीय प्रणाली"

➢ **इस दौर की विशेषताएँ -:**
- ✓ **पिछड़ी व दलित जातियों का उदय**
  - 1990- मण्डल कमीशन की रिपोर्ट लागू होने के बाद उत्तर भारत में OBC की जातियों का उभार हुआ -
  - **नेता -** मुलायम सिंह यादव, लालू प्रसाद यादव, नीतिश कुमार, शरद यादव
  - **1989-** मण्डल कमीशन की वजह से : अन्य पिछड़ा वर्ग (OBC)
  - **1984-** बसपा की वजह से -: अनुसूचित जाति (SC)
  - इन उभारों को - क्रिस्टॉफ जेफरलॉ - **मौन क्रान्ति (silent Revolution)**,
  - **Book:** India's Silent Revolution- The Rise of Lower Castes in North Indian Politics-2002
  - OBC की जातियों के उभार के बाद-: कांग्रेस काफी कमजोर हो गई इसे पलसीकर - **"उत्तर-कांग्रेस प्रणाली"** कहते है।
- ✓ **योगेन्द्र यादव - 1989 बाद**

1. **दूसरी लोकतांत्रिक लहर**
   - ✓ मण्डल राजनीति के शब्दों का प्रयोग-
2. **तीसरी चुनावी व्यवस्था-** पहली नेहरू फेज या समेकन की समयावधि
   - ✓ **1967-** दूसरी 'Coming of Age' (जवानी की उम्र)
   - ✓ **3-M-** (मण्डल, मन्दिर, मार्केट)
3. **लोकतांत्रिक उछाल था उभार -** राजनीतिक दलों की बढ़ती संख्या के प्रतिनिधिमूलक लोकतंत्र का विकास तथा दलित, आदिवासी, OBC में उभार

➢ **'Party Competition in Indian states' -** पलसीकर, सुरी व यादव
- ✓ **Virtu-fortuna Theory -** मैकियावली वाली -
- ✓ **1989-बाद 'Post-Congress polity system'**

➢ **क्षेत्रीय दलों का महत्व बढ़ा -:**
- ✓ क्षेत्रीय दलों ने राज्यों का महत्व बढ़ा दिया। इससे संघीय व्यवस्था भी मजबूत हुई।
- ✓ गठबन्धन की राजनीति ने - भारतीय व्यवस्था का 'संघात्मीकरण' किया।

- **कमण्डल राजनीति का बढ़ता वर्चस्व-:**
  - ✓ 1989 के बाद राम मन्दिर मुद्दे की वजह से हिन्दुत्व राजनीति
  - ✓ **रजनी कोठारी -** " भारतीय लोकतंत्र ने भाजपा को 'उदारीकृत' व 'साम्यवादी दलों का 'उदारीकरण' कर दिया है।"
- **कुछ अन्य प्रवृतियाँ -:**
  - ✓ 'विचारधारा की राजनीति' की बजाय, 'प्रतिनिधित्व की राजनीति' - पलसीकर, जोया हसन
  - ✓ "अब विचारधारा नहीं, सत्ता महत्वपूर्ण हो गयी"- (Office seeking)
- **1989 के बाद का दौर - निम्न तथ्य सामने आये -**
  - ✓ कांग्रेस प्रणाली का पूर्ण पतन -
  - ✓ उत्तर - कांग्रेस प्रणाली-
  - ✓ मण्डल व कमण्डल की राजनीति
  - ✓ आर्थिक सुधार व खुलेपन का दौर
  - ✓ बहुदलीय शासन प्रणाली का युग शुरु
  - ✓ गठबन्धनात्मक सरकारों का दौर
  - ✓ दलित व पिछड़ी जातियों की राजनीति का उभार
  - ✓ 1989-1999 राजनीति अस्थायीत्व का दौर
  - ✓ क्षेत्रीय दलों की महत्वपूर्ण स्थिति
  - ✓ राजनीतिक दल - बदल - 52 वां स. स. 1985 दल-बदल कानूनी रोक
  - ✓ चुनाव में निर्दलीय उम्मीदवारों की बड़ी संख्या
  - ✓ राजनीतिक दलों और राजनीतिक अभिजन की कथनी व करनी में अंतर- नॉर्मन पामर
- **Some facts (कुछ तथ्य)**
  - ✓ **नानावती आयोग -:** 1984 के सिख दंगो पर व 2002 गोधरा दंगो पर।
  - ✓ **लिब्राहन आयोग:** 1992 बाबरी विध्वंस पर।
  - ✓ **श्रीकृष्णा आयोग -:** बॉम्बे ब्लास्ट (1993) व तेलंगाना निर्माण पर।
  - ✓ **J.C. शाह आयोग -:** 1975-76 के आपातकाल पर।
  - ✓ **M.K. जैन आयोग -:** राजीव गाँधी की हत्या पर।
  - ✓ **महाजन आयोग -:** बेलगांव विवाद (कर्नाटक-महाराष्ट्र)।
  - ✓ **सच्चर समिति 2005 -:** अल्पसंख्यक व मुस्लिम कल्याण पर।
  - ✓ **S.N. वोहरा समिति 1993-:** राजनीति के अपराधीकरण पर।
  - ✓ **सेफोलॉजी -:** चुनाव विश्लेषण विज्ञान।
  - ✓ **Laakso-Taagepera Index -:** भारत की 'राष्ट्रीय दलीय प्रणाली' से है।
- **पुस्तकें व महत्वपूर्ण शब्दावली - Indian Polity**
  - ✓ **State Politics in India-:** मायरन वीनर
  - ✓ **Politics of Scarcity -:** मायरन वीनर
  - ✓ **Indian Paradox -:** मायरन वीनर
  - ✓ **The political culture -:** मायरन वीनर
  - ✓ **Language, Religion and Politics in North India-:** पॉल ब्रास
  - ✓ **Disintegration of Congress organization-:** पॉल ब्रास
  - ✓ **"भारत का संविधान - आशा व प्रेरणा की बजाय भय व संत्राप का प्रतिफल है"** - पॉल ब्रास
  - ✓ **State against democracy -:** रजनी कोठारी

- ✓ **Cast in Indian Politics-1973-:** रजनी कोठारी
- ✓ **Congress system (कांग्रेस प्रणाली)-:** रजनी कोठारी
- ✓ **India silent revolution-:** जैफर लॉट
- ✓ **Green Revolution of India-:** फ्रेंकलिन फ्रैंकल - भारत में "मिश्रित राजनीतिक संस्कृति" है.
- ✓ **Third Electoral system -:** योगेन्द्र यादव
- ✓ **Modernization of Indian Tradition-:** योगेन्द्र यादव
- ✓ **The modernity of Tradition-:** रुडोल्फ और रूडोल्फ (USA)
- ✓ **In pursuit of Laxmi-:** रुडोल्फ और रूडोल्फ
- ✓ **"भारत एक - निर्बल शक्तिशाली राज्य है"-:** रुडोल्फ और रूडोल्फ
- ✓ **'भारत का पूंजीवाद - 'बेलगाड़ी पूंजीवाद (Bullock-cart Capitalism) -:** रुडोल्फ
- ✓ **भारतीय राज्य पॉलीमार्फस है -** रुडोल्फ और रुडोल्फ
- ✓ **भारत की राजनीति - 'Command politics and Demand Politics-:** रुडोल्फ और रुडोल्फ
- ✓ **Indian Constitution - A Cornerstone of a Nation-:** ग्रेनविल ऑस्टिन
- ✓ **Foreign Identities, Gender Communities and the state-:** जोया हसन
- ✓ **Politics and the state in India -:** जोया हसन
- ✓ **State and politics in India (1999)-:** पार्थ चटर्जी
- ✓ **बहुकेन्द्रिक राष्ट्रवाद तथा उपाश्रित सिद्धान्त -:** पार्थ चटर्जी
- ✓ **India after Gandhi-:** रामचन्द्र गुहा
- ✓ **India after Nehru -:** रामचन्द्र गुहा
- ✓ **Federal India - A Design for change -:** रशीदुद्दीन खान
- ✓ **Soft state -** गुन्नार मिर्डल - Asian Drama
- ✓ **अतिविकसित राज्य -:** हमजा अलवी
- ✓ **Development as Freedom-1999-** अमर्त्य सेन
- ✓ **Discovery of India -:** जवाहर लाल नेहरु
- ✓ **Drain of wealth -:** दादा भाई नौरोजी
- ✓ **The integration of Indian states-:** V.P. मेनन
- ✓ **Roses in December-** करीम मोहम्मद छागला
- ✓ **Democracy and Development in India -:** अतुल कोहली
- ✓ **Democracy and Discontent (असंतोष)-:** अतुल कोहली
- ✓ **Dalit visions (दलित विजन्स) -:** गैल ऑमवेट
- ✓ **मुख्य दलित चिन्तक :** गैल ऑमवेट व कांचा इलैया
- ✓ **Peasants (कृषक) movement in India :** धनाग्रे

भारत में चुनाव व्यवहार की प्रवृतियाँ व चुनाव सुधार

- ➢ **भारत में मतदान व्यवहार**
  - ✓ **अनु०-326-:** सार्वभौमिक वयस्क मताधिकार का उल्लेख-
  - ✓ **लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950**
    - धारा-28 के माध्यम से अनु.-326 के प्रावधान को लागू किया जाता है।
  - ✓ **जनमत सर्वेक्षण की पहली शुरुआत -** 1950 के दशक में

- ✓ **भारत में जनमत सर्वेक्षण पर संस्था -** 1950 के दशक में
  - **I.I.P.O -** इण्डियन इंस्टीट्यूट ऑफ पब्लिक ओपिनियन
  - **संस्थापक -** डॉ. एरिक डिकोस्टा (भारत में जनमत सर्वेक्षण के पिता)
- ✓ **V.M. सिरसीकर (1967 चुनाव) -** सर्वेक्षण - पूर्ण लोकसभा निर्वाचन
- ✓ **भारत में मतदान व्यवहार मापन की परम्परा को आगे बढ़ाया:**
  - इल्डर्सवेल्ड व बशीरुद्दीन अहमद (CSDS के विद्वान)
  - (1967 और 1971 आम चुनावी - अखिल भारतीयस्तर-
- ✓ **संस्थात्मक स्तर पर - 1960 के दशक में**
  - **CSDS -** विकासशील समाज अध्ययन पीठ - दिल्ली
  - अध्ययन राष्ट्रीय चुनाव अध्ययन (NES) नाम से (1967 से)

➢ **एग्जिट पॉल -:**
- ✓ प्रणव राय द्वारा, 1989 में (सहयोग - मर्किटिंग एण्ड रिचर्स ग्रुप)
- ✓ 21 वी शताब्दी आरम्भ - भारत में जनमत सर्वेक्षण उद्योग के अगले चरण के विकास का गवाह है.

➢ **योगेन्द्र यादव :** भारतीय राजनीति का विश्लेषण - लोकतांत्रिक राजनीति की 3 चरणों में बाटते है -
1. **प्रथम चरण -** 1952-1967 (कांग्रेस प्रणाली)
2. **द्वितीय चरण -** 1967-1989 (कांग्रेस विपक्ष प्रणाली),
3. **तृतीय चरण -** (1990 के बाद (उत्तर कांग्रेस प्रणाली)।

➢ **हरीश खरे :** भारतीय राजनीति व कांग्रेस - 3-चरणों में-
1. **1947-1971 -** 'राज्य के लिए सरकार'- कांग्रेस
2. **1971-1991 -** 'राज्य की सरकार'- कांग्रेस कमजोर हो रही
3. **1991 के बाद -** 'राज्य की आश्रयहीनता का काल' - 'कांग्रेस का सफाया होना शुरु"

➢ **मतदान व्यवहार की प्रभावित करने वाले कारक -**
- ✓ • भाषा • क्षेत्र • लिंग • नेतृत्व • वर्ग • जाति • धर्म

1. **वर्ग (Class) -:** "आर्थिक निहितार्थ ही महत्वपूर्ण है"
   - ✓ **वर्ग पर विद्वानों के विचार**
   - ✓ **रुडोल्फ और रुडोल्फ :** Book- In pursuit of Lakshmi: The Political Economy of the Indian state (1987)
     - "भारत में वर्ग - राजनीति नहीं रही। वर्ग की अवधारणा यहाँ सदैव हाशिए पर रही है, सीमित रही है।"
   - ✓ **जॉन हैरिस -:** "भारतीय राजनीति में वर्ग के महत्व-स्वीकार। भारतीय राजनीति में मध्य वर्ग की जो केन्द्रीय राजनीतिक भूमिका रही है, उसकी अनदेखी हो जाएगी"
   - ✓ **यादव, पलसीकर, सूरी-** Book-Party Competition in Indian states-
     - **यादव, संजय, ओलिवर-** "The BJP's New Social Bloc" (1999) - वर्ग का उभार, नए सामाजिक गुट
2. **जाति (caste) -:**
   - ✓ भारतीय राजनीतिक परम्परा में - प्रभावित - महत्वपूर्ण कारक है।
   - ✓ **क्रिस्टीक जैफरलार :** लेख - Caste and political parties in India (2013)
     - "भारतीय जनता - मत पार्टी को नहीं, बल्कि मत - जाति को देती है"
   - ✓ **1990 के दशक -** "पहचान की राजनीति " शुरु -
   - ✓ **यादव, संजय, ओलिवर -:** BJP - संबंधित - 'New Social Bloc' चर्चा उसमें उच्च जातियों की भूमिका अहम है।
   - ✓ **लुई ड्यूमान्ट -:** "जाति बाकी सभी विचारधारा से ऊपर की विचारधारा"

3. **लिंग (Gender) -:** 1990 के दशक के बाद जेण्डर का तत्व भी भारतीय राजनीति में एक प्रमुख निर्धारक तत्व के रूप-उभरा
4. **धर्म व साम्प्रदायिकता -:** महत्वपूर्ण कारक है
   - ✓ धार्मिक आधार - पृथक राज्यों की माँग की जाती है.
5. **भाषा -:** महत्वपूर्ण कारक है.
   - ✓ **DMK -** हिन्दी भाषा के विरोध की राजनीति में महत्वपूर्ण-
   - ✓ **2014 आम चुनाव -** भाजपा लहर - हिन्दी भाषी क्षेत्रों में
6. **क्षेत्र -:** "भूमिपुत्र की अवधारणा" शामिल है.
7. **नेतृत्व - :**
   - ✓ 1952-67 प नेहरू का करिश्माई नेतृत्व
   - ✓ 2014-से नरेन्द्र मोदी
   - ✓ **मोदी लहर - (2014 बाद) -** प्रताप भानु मेहता - "ए बीजेपी, डोमिनेनेंट सिस्टम"
8. **लोकतांत्रिक वंशवाद :** कांग्रेस में - अधिक
   - ✓ **2014 चुनाव -** BJP का नारा - 'गाँधी-नेहरू परिवार मुक्त भारत"
   - ✓ **पॉल वालास -** 'इण्डियाज 2014 इलेक्शंस - 2015 में लोकतांत्रिक चुनाव वंशवाद - चुनाव का महत्वपूर्ण तत्व -

➢ **भारत में चुनाव सुधार (Electoral Reforms in India)**
- ✓ भारत में निर्वाचन आयोग को संवैधानिक दर्जा - अनु. (324-329)
- ✓ **भाग**- 15
- ✓ भारत में एकल निर्वाचन आयोग है (संघ व राज्यों के लिए)
- ✓ चुनाव आयोग का वार्षिक बजट - भारत की संचित निधि' पर भारित है।
- ✓ **चुनाव सुधार-:** 1960 के दशक के अंत में सुधार-महसूस
- ✓ 1971 लोकसभा चुनाव - संसद में चुनाव कानून में संशोधन
  - "श्री जगन्नाथ राव की अध्यक्षता एक संयुक्त सदस्य समिति का गठन किया"

➢ **चुनाव सुधार पर बनी समितियाँ -:**
- ✓ तारकुण्डे समिति (1974)
- ✓ दिनेश गोस्वामी समिति (1990)
- ✓ V. K. कृष्ण अय्यर समिति (1994)
- ✓ इन्द्रजीत गुप्ता समिति (1998)
- ✓ राजनीति के अपराधीकरण पर वोहरा समिति (1993)
- ✓ चुनाव कानूनों और चुनाव सुधार तनखा समिति (2010)

➢ **चुनाव सुधारों की दिशा में -**
- ✓ लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 के विस्तृत अध्ययन के लिए 1977 में "**15 वे विधि आयोग**" का गठन किया
- ✓ इसने 170 वी रिपोर्ट प्रस्तुत की
- ✓ **244 वी रिपोर्ट -** "चुनावी अयोग्यता "
- ✓ **255 वी रिपोर्ट -** " चुनाव सुधार " (Electoral Reforms)

➢ **चुनाव आयोग की संरचना में सुधार-:**
- ✓ **1950 - 16 Oct.1989 तक :** एकल सदस्य
- ✓ **16 Oct. 1989 - 1 Jan. 1990-:** बहुसदस्य (2 सदस्य - S.S. धनोआ, v.s. सैगल)
- ✓ **1 Jan. 1990- 30 Sep. 1993-:** एकल सदस्य
- ✓ **1 Oct. 1993 से पुनः -:** बहुसदस्य (1 मुख्य चुनाव आयुक्त + 2 चुनाव आयुक्त (सदस्य))
- ✓ **कार्यकाल -** 6 वर्ष या 65 वर्ष पूर्ण
- ✓ ये राष्ट्रपति के प्रसाद पर्यन्त पद पर नहीं रहते हैं।

- ✓ **नियुक्ति -:** मार्च 2023 के निर्णय से -
  - **कमेटी -** (प्रधानमंत्री, S.C. के CJI, लोकसभा में विपक्ष नेता) की सिफारिश पर राष्ट्रपति द्वारा
- ✓ **नए विधेयक (अगस्त, 2023) की तहत नियुक्ति**
  - **कमेटी-** (P.M., लोकसभा में विपक्ष या बड़े दल का नेता, pm मनोनीत केबिनेट मंत्री) की सिफारिश पर राष्ट्रपति द्वारा

➢ **चुनाव सुधार पर कमेटी -:**

1. **V. M. तारकुण्डे समिति - 1974 -:** इसे J.P. कमेटी भी कहते है
   - ✓ चुनाव सुधार की दिशा में यह पहली समिति है।
   - ✓ **गठन** – 'सिटिजन फॉर डेमोक्रेसी' नामक NGO की ओर से जय प्रकाश नरायण द्वारा -
   - ✓ **1974, रिपोर्ट-** फरवरी 1975
   - ✓ **मुख्य सिफारिश-:**
     - **(A)** मताधिकार आयु 21 वर्ष से 18 वर्ष करना (हुई - 61वां स. स. - राजीव गांधी)
     - **(B)** सभी राजनीतिक दलों के आय के स्रोतों का उल्लेख व आय-व्यय का हिसाब अनिवार्य, निर्वाचन आयोग- जाँच करे
     - **(C)** आकाशवाणी पर 'चड्ढा समिति' रिपोर्ट विभिन्न राजनीतिक दलों को पिछले चुनावों में वोट % आधार पर समय दिया जाए
     - **(D)** केन्द्रीय निर्वाचन आयोग - 3 सदस्यीय हो, सिफारिश - P.M. + S.C. का CJI + विपक्ष नेता -
2. **दिनेश गोस्वामी समिति (1990) -:**
   - ✓ V.P. सिंह सरकार द्वारा
   - ✓ **समिति अध्यक्ष -:** (कानून मंत्री) दिनेश गोस्वामी
   - ✓ **सदस्य -:** L.K. आडवानी, सोमनाथ चटर्जी
   - ✓ **मुख्य सिफारिश -:**
     - **(A)** निर्वाचन आयोग - 3 सदस्यीय - (PM+CJI + विपक्ष नेता) की सिफारिश पर राष्ट्रपति
     - **(B)** बहुउद्देशीय फोटो पहचान पत्र बनाना -
     - **(C)** SC की आरक्षित सीटों का क्रमावर्तन (Rotation) करना
     - **(D)** किसी भी व्यक्ति को 2 से अधिक निर्वाचन क्षेत्रों पर चुनाव लड़ने से रोकना
     - **(E)** जमानत राशि बढ़ाना व कुल मतों में से 1/6 से मत-कम-तो जब्त
     - **(F)** आगामी चुनावों में E.V.M. का प्रयोग करना -
     - **(G)** पद रिक्ति के 6 महीने में चुनाव, निर्दलीय की मृत्यु- चुनाव रद्द न हो
3. **इन्द्रजीत गुप्ता समिति - 1998**
   - ✓ **समिति अध्यक्ष -:** इन्द्रजीत गुप्ता (गृहमंत्री, CPI नेता)
   - ✓ **सदस्य :** मनमोहन सिंह, दिग्विजय सिंह, सोमनाथ चटर्जी
   - ✓ **मुख्य सिफारिश-:**
     - **(A)** निर्वाचन आयोग द्वारा केवल मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों को राजकीय सहायता प्रदान की जानी चाहिए -
     - **(B)** राजनीतिक दल अपने आय-व्यय का सम्पूर्ण ब्यौरा चुनाव आयोग को अनिवार्य रूप से दें।, जो ऐसा नहीं करे उसके वित्तीय अनुदान बन्द हो।
     - **(C)** सरकारी कम्पनियाँ राजनीतिक उद्देश्यों के लिए चन्दा ना दें।